वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 62 | शुक्रवार 30 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्य सचिव उषा शर्मा का कार्यकाल 6 महीने बढ़ा

31 दिसंबर तक पद पर बनी रहेंगी, नए साल में ही मिलेगा नया मुख्य सचिव

जयपुर. कासं। राजस्थान की मुख्य सचिव उषा शर्मा को केंद्र सरकार ने छह महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। अब वे 31 दिसंबर 2023 तक पद पर बनी रहेंगी। केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने एक्सटेंशन को मंजूरी देने का लेटर 28 जून को कार्मिक विभाग को भेज दिया है। केंद्र सरकार से एक्सटेंशन मिलने के बाद अब उषा शर्मा के सीएस रहते हुए ही विधानसभा चुनाव होंगे और फिर नई सरकार का गठन होगा। नई सरकार बनने तक वे इस पद पर रह सकेंगी। सीएस को एक्सटेंशन मिलने के साथ ही अब नए मुख्य सचिव के दावेदारों पर ब्रेक लग गया है। उषा शर्मा 30 जून को रिटायर हो रही थीं, इससे पहले उनका एक्सटेंशन मंजूर हो गया है। आमतौर पर केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने पर ही मुख्य सचिव को एक्सटेंशन मिलता है। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद केंद्र सरकार से सीएस को एक्सटेंशन मिलने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। शर्मा केंद्र सरकार में लंबे समय तक डेपुटेशन पर रही हैं, उनके एक्सटेंशन को उनके केंद्रीय संपर्क से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

जयपुर में बारिश से नाला जाम, सड़कों पर भरा पानी

लालजी सांड के रास्ते में दुकानों में घुसा पानी, SMS हॉस्पिटल के बाहर भी गंदगी का ढेर

जयपुर. कासं। राजस्थान में मानसून के सक्रिय होते ही प्रशासन के पोल खुलनी शुरू हो गई है। गुरुवार को हुए कुछ ही देर की बारिश में शहर के कई इलाकों में सड़कों पर नाले का गंदा पानी निकल आया। नालों की सही से सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी दुकानों में घुस गया। शहर के लालजी सांड के रास्ते में सड़कों पर पानी आने के कारण लोगों को गंदे पानी में से निकलना पड़ा। दुकानदारों का कहना है कि यहां नालों की सफाई नहीं होती है। सड़क बनाते समय भी ऊंचाई का ध्यान नहीं रखा गया। सड़क के ऊपर सड़क बनते चले गए। जिस कारण दुकानों की ऊंचाई कम हो गई। ऐसे में कुछ हीं देर की बारिश में सड़कों पर नालों का गंदा पानी आ जाता है। अगर बारिश में थोड़ी देर और हो जाए तो नालों का पानी दुकानों में घुस जाता है। समान खाली करना पड़ जाता है। कई बार दुकानों के शटर भी बंद करने पड़ जाते हैं। निगम में शिकायत देने के बाद भी यही हालात हैं। कोई सुनवाई नहीं होती है। कस्टमर भी आकर बाहर से ही चले जाते हैं। गली छोटी है जिस कारण इसमें फोर व्हीलर भी नहीं आ पाता, ऐसे में लोगों को गंदे पानी से होकर आना पड़ता है। लालजी सांड के रास्ते में विष्णु अग्रवाल की साड़ी की दुकान है। विष्णु का कहना है कि ऐसा पिछले 30 सालों से है। आज तक व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ। अगर आधे घंटे भी बारिश आ जाती है तो हमें शटर डाउन करने पड़ते हैं।

सीएम गहलोत के दोनों पैर के अंगूठे में चोट

कमरे में जाते वक्त पैर फिसला, डॉक्टर ने 1 हफ्ते आराम की सलाह दी

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है। उनका इलाज सवाई मान सिंह हॉस्पिटल में किया गया है, जहां एक घंटे जांच, इलाज के बाद डॉक्टरों ने उनको छुट्टी दे दी। साथ ही, एक सप्ताह तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। बताया जा रहा है कि घर पर ही मुख्यमंत्री के दाएं पैर में नुकीली चीज चुभने के बाद उनका बैलेंस बिगड़ गया और बायां पैर मुड़ गया। इस वजह से दाएं पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया और बाएं पैर में हेयर लाइन फ्रैक्चर हो गया। चोट के बाद अब संभावना है कि मुख्यमंत्री के सभी कार्यक्रम और दौरे रद्द किए जा सकते हैं। गुरुवार शाम करीब छह बजे सीएम हाउस में गहलोत के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है। उन्हें फौरन रटर हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लाया गया। यहां डॉक्टरों ने एक्सरे, ईसीजी समेत तमाम रूटीन चेकअप किए।

खून बहने के बाद की ड्रेसिंग

नुकीली चीज चुभने के बाद मुख्यमंत्री के पैर से खून बहने लगा था। हॉस्पिटल स्टाफ व्हील चेयर पर ड्रेसिंग रूम लेकर गया और खून निकलने वाली जगह डॉक्टरों ने सबसे पहले ड्रेसिंग की। उसके बाद दोनों पैर का एक्स-रे करवाया। ओएसडी लोकेश शर्मा ने बताया कि सीएम बिल्कुल ठीक हैं। पैर में मामूली चोट आई है। इस दौरान एसएमएस के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा, हड्डी रोग विशेषज्ञों और जनरल फिजिशियन की टीम मौजूद रही। मुख्यमंत्री के साथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पीएचईडी मंत्री महेश जोशी समेत अन्य नेता भी एसएमएस पहुंचे। गहलोत की पत्नी सुनीता गहलोत, पुत्रवधू हिमांशी गहलोत और पौत्री भी हॉस्पिटल पहुंचीं। हॉस्पिटल से रात करीब 8 बजे गहलोत अपने आवास चले गए। उन्हें अब डॉक्टरों ने पूरी तरह ठीक बताया। साथ ही, एक सप्ताह तक आराम करने की सलाह दी है। एसएमएस के प्रिंसिपल राजीव बगरहट्टा ने हेल्थ बुलेटिन जारी करते हुए बताया- सीएम के दाएं पैर का जो नाखून उखड़ा था, उसे सीनियर प्लास्टिक सर्जन आर.के. जैन ने ठीक करके पैर में कंप्रेशन बैंडेज बांध दी। सीएम ने बाएं पैर में भी दर्द की बात बताई। इसके बाद प्रोफेसर ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट और ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ ने सीएम के पैर की जांच की। एक्स-रे में उनके बाएं पैर में अंगूठे के पास हेयर लाइन फ्रैक्चर डिटेक्ट होने के बाद कच्चा प्लास्टर बांधा गया। इसके बाद डॉक्टर धाकड़ ने मुख्यमंत्री को 7 दिन तक आराम करने की सलाह दी है। सात दिन बाद फिर से सीएम का चेकअप होगा।

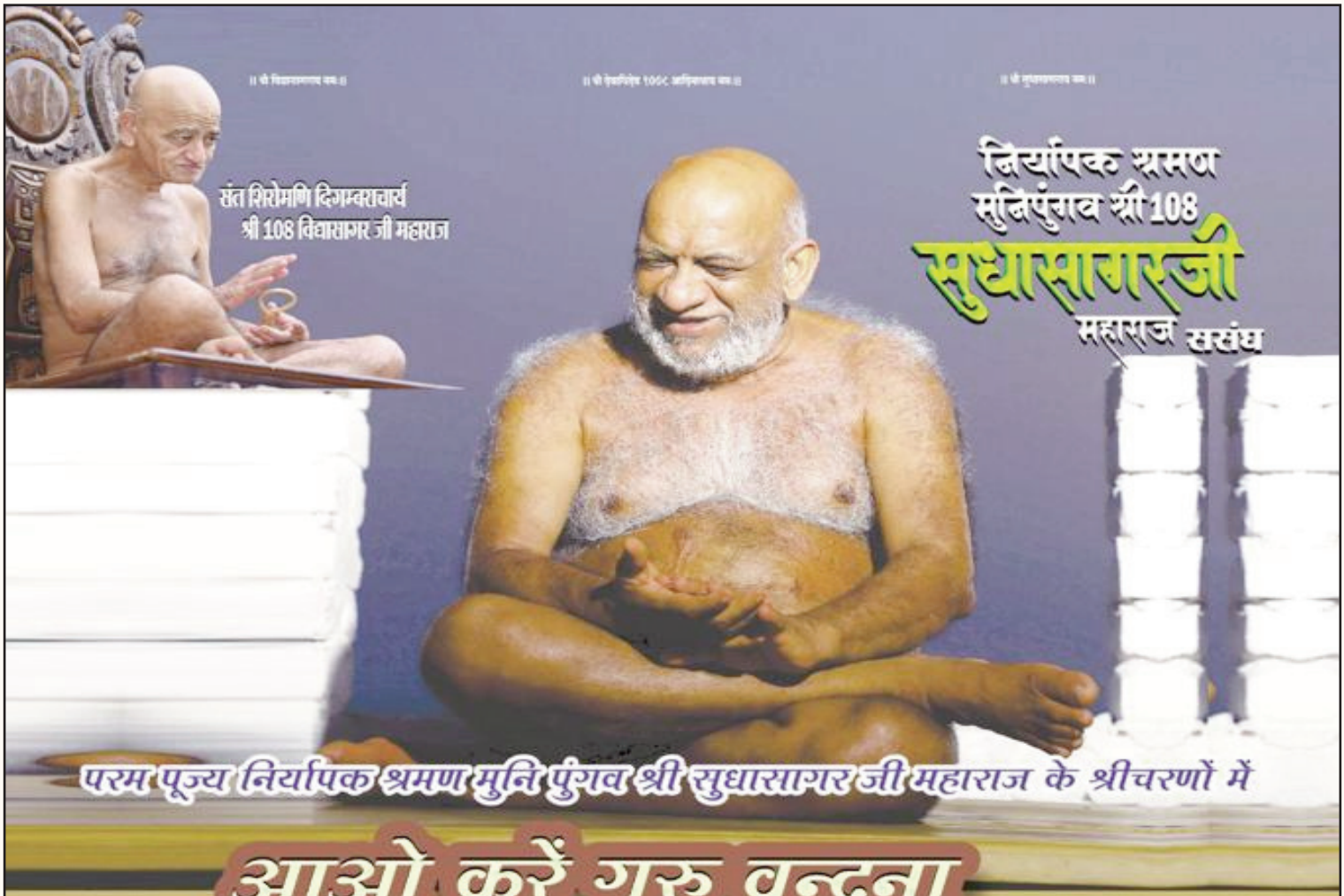

संत शिरोमणि दिगम्बराचार्य
श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक श्रमण
मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी
महाराज ससंघ
परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के श्रीचरणों में
आओ करें गुरु वन्दना
चले जयपुर से आगरा
धर्म नगरी आगरा में गुरुपूर्णिमा
के पावन अवसर पर
स्पेशल डिलक्स एसी बसों द्वारा जयपुर की
विभिन्न शहर एवं कॉलोनियों से
दिनांक 3 जुलाई, 2023
प्रातः 5.00 बजे – जयपुर से प्रस्थान
सायं 7.30 बजे – आगरा से वापसी
सहयोग राशि : 200/- प्रति सवारी
संरक्षकगण..
• श्री नन्दकिशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
• श्री उत्तम कुमार जी पाण्ड्या
• श्री उत्तम जी पाटनी
• श्री सम्पत जी संजय जी अजय जी पाण्ड्या (श्री जैन रोड़वेज)
• श्री अजय जी विजय जी संजय जी कटारिया
• श्री जम्बू कुमार जी दर्शन जी नवीन जी जैन बस्सीवाले
• श्री शैलेन्द्र जी गोधा (समाचार जगत)
• श्री मोहित जी राणा
• श्री विनोद जी छाबड़ा 'मोनू'
• श्री जे.के. जैन कालाडेरा (नेमीसागर कॉलोनी)
• श्रीमती शीला जी जैन डोड्या
• श्री प्रदीप जी लुहाड़िया
निवेदक :
सकल दिगम्बर जैन समाज
जयपुर
: सीट बुकिंग हेतु सम्पर्क करें :
महावीर जैन (महावीर यात्रा कम्पनी)
94147-81315 / 98299-99436
अन्तिम तिथि : दिनांक 1 जुलाई, 2023
जे.के.जैन (केवल मानसरोवर हेतु) 94140-42294

महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा जीव सेवा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सबकी सेवा सबको प्यार और जियो और जीने दो के सिद्धांत पर सेवा कार्यों में अग्रणी महावीर इंटरनेशनल रॉयल, ब्यावर द्वारा आज सुभाष उद्यान में पक्षी घर में पक्षियों के लिए दाना डाला गया तथा तालाब की पाल पर गरीब एवं असाहयो को भोजन करवाया गया। संस्था उपाध्यक्ष पंकज सकलेचा एवं कोषाध्यक्ष अभिषेक नाहटा के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन स्मृति शेष हेमलता पालडेचा की पुण्य स्मृति में रूपचंद अशोक, सुनील, विनोद, नरेन्द्र दीपेश पालडेचा परिवार के प्रायोजन से किया गया। रोहित मुथा, पुष्पेन्द्र चौधरी, अमित बाबेल ने बताया कि पालडेचा परिवार द्वारा आज ब्रह्मानंद धाम में भी भोजन की व्यवस्था की गई। जितेन्द्र धारीवाल और प्रदीप मकाना के अनुसार इस अवसर पर संस्था के दिलीप दक, गौतम रांका, हेमेंद्र चौधरी, अमित मेहता, मनोज रांका, अमित बंसल एवं पालडेचा परिवार के अशोक पालडेचा, कांता, नामित, आकांक्षा, अक्षित पालडेचा आदि उपस्थित रहे।

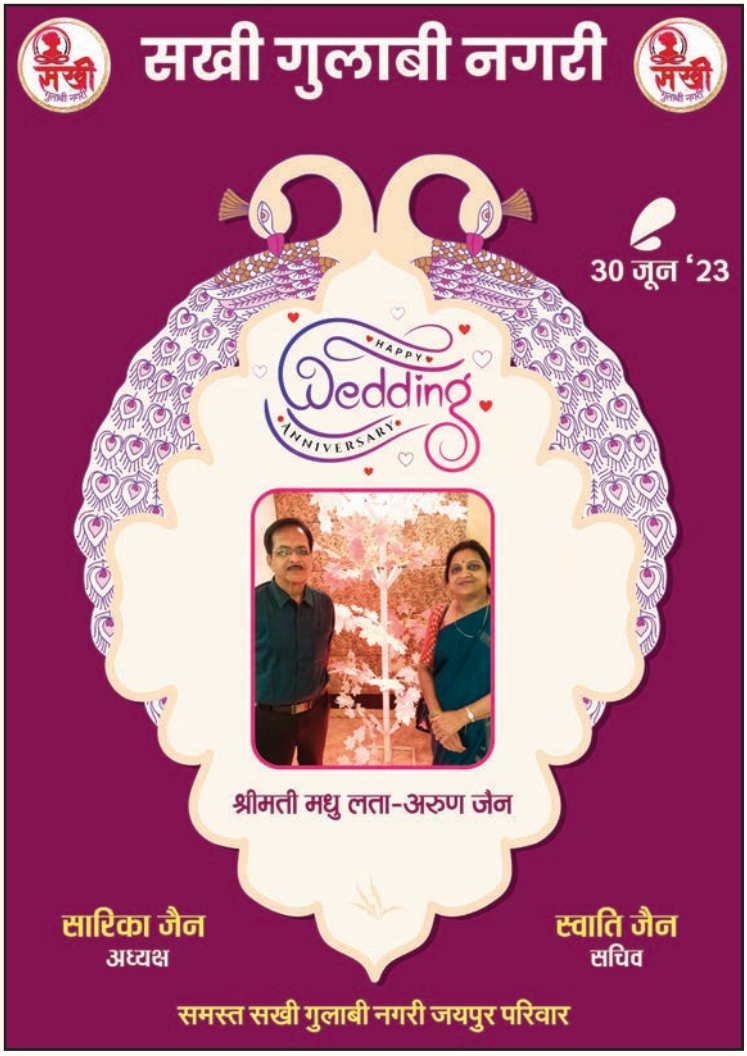

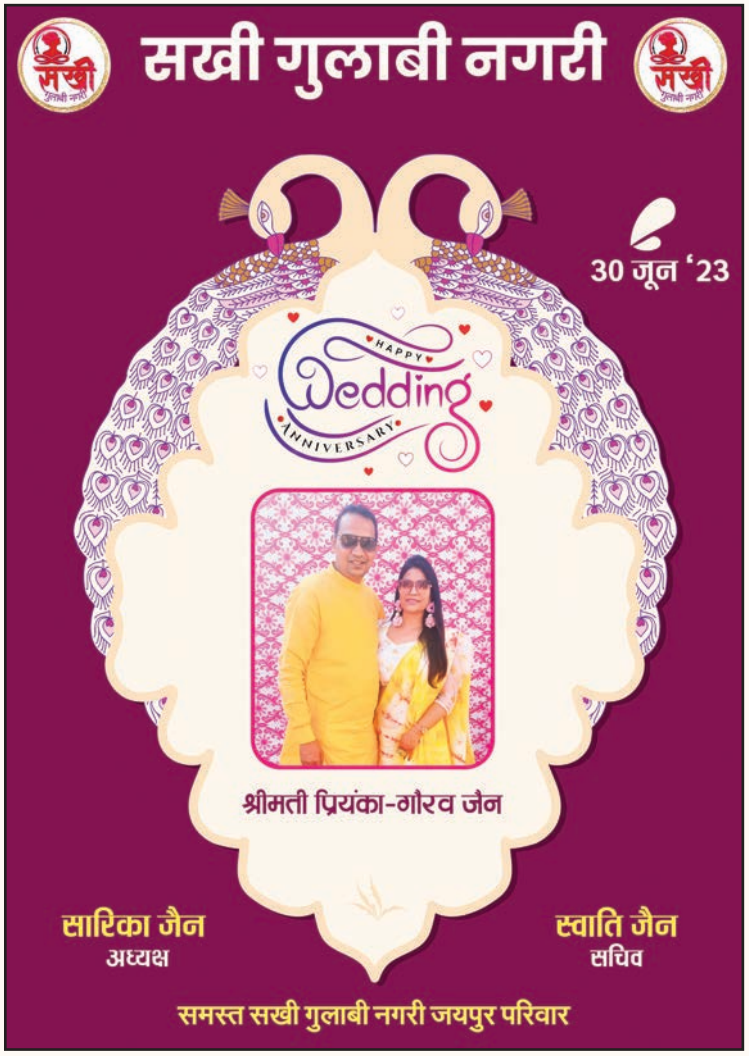

वेद ज्ञान

कर्मशीलता और जीवन

जीवन और कर्मशीलता एक-दूसरे के पूरक हैं। कर्म से हमारे जीवन को पहचान और प्रतिष्ठा मिलती है। हालांकि हमारी वास्तविक सफलता, पहचान और प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि अपने काम से मिलने वाले सुख में है। जिस निष्ठा और लगन से हम अपना काम करते हैं, उसी के अनुरूप हमें सुख प्राप्त होता है। इसमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम क्या हैं। जरूरी नहीं कि करोड़ों का कारोबार करने वाले व्यवसायी को कारोबार से सुख भी प्राप्त हो रहा हो या फिर दैनिक मजदूरी करने वाले मजदूर को अपने कार्य से सुख न प्राप्त हो रहा हो। सुख की रुपए-पैसे से कोई तुलना नहीं की जा सकती, बल्कि काम के प्रति हमारी रुचि और लगन से हमें खुशी मिलती है। हमारा कार्य ही सुख का एक बड़ा माध्यम है और अपने काम से मिलने वाला सुख हमारी उपलब्धि है। कर्म छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि कर्म तो कर्म होता है। कर्म का महत्व उसके पीछे छिपे हुए अभिप्राय से होता है। जो कर्म लक्ष्य के साथ जुड़ जाता है, वह योग बन जाता है। कर्मशीलता केवल एक उपकरण है। यह हमें अपना काम कुशलतापूर्वक करने की काबलियत देती है, लेकिन यह हमें यह नहीं बताती है कि करना क्या है। कई बार यह स्पष्ट होता है कि क्या करने की जरूरत है, लेकिन कई बार यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं होता। अगर आप यह नहीं जानते हैं कि क्या करने की जरूरत है तो आपका पहला कदम यही पता लगाना होगा कि आपको आखिर करना क्या है? जब आप अपनी कार्य-विधि तय करके उसे प्राप्त करने की योजना बना लेते हैं तब उसे पाने में कर्मशीलता का आपका गुण आपकी मदद करता है। जो व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और लगन से मेहनत करता है, वह अपने जीवन में कभी असफल नहीं होता। ऐसे व्यक्ति अपने प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन का एक लक्ष्य जरूर तय करना चाहिए और इसकी प्राप्ति तक उसे संघर्ष करते रहना चाहिए। उनका प्रेरणा सूत्र यही है कि उठो, तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। इसी तरह महात्मा गांधी का कथन है कि कुछ भी न करने से बेहतर है कुछ करना। कर्मशीलता का सार भी यही है कि काम करते रहना।

संपादकीय

मणिपुर की आग शांत होने का नहीं ले रही नाम...

अमेरिका और मिस्र की यात्रा से लौट कर प्रधानमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। उसमें उन्होंने मणिपुर में ईंधन और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बहाल करने और स्थिति को सामान्य बनाने के उपायों पर अमल करने का निर्देश दिया। मणिपुर में हिंसा भड़के दो महीने होने को हैं। दस हजार से अधिक लोग विस्थापित हैं। सौ से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। सैकड़ों घायल हैं। हजारों दुकानें, घर, मंदिर, मस्जिद और गिरजाघर जला दिए गए हैं। इसे लेकर कुछ दिनों पहले सर्वदलीय बैठक भी हुई, जिसे लेकर विपक्षी दलों का आरोप है कि दस मिनट भी बातचीत नहीं हुई और बिना किसी सलाह के समाप्त हो गई। इसलिए प्रधानमंत्री की बुलाई उच्चस्तरीय बैठक का मणिपुर की स्थिति पर कितना असर पड़ेगा, देखने की बात है। दरअसल, मणिपुर इस वक्त नाजुक दौर में पहुंच चुका है। फिर भी मणिपुर सरकार उस पर परदा डालने का प्रयास ही करती देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। सरकारी कर्मचारियों को काम पर लौटने का आदेश दिया गया है। मगर हकीकत यह है कि अब महिलाएं भी वहां सुरक्षाबलों के विरोध में सड़कों पर उतर आई हैं। कुकी और मैतेई चरमपंथियों के बीच चल रहा जातीय संघर्ष गृहयुद्ध का रूप लेता जा रहा है। ऐसी स्थिति में केवल बैठकों से कोई स्थायी समाधान शायद ही निकले। यह समझ से परे है कि केंद्र और राज्य सरकार ने वहां की स्थित से निपटने के लिए व्यावहारिक उपाय तलाशने के बजाय क्यों दोनों समुदायों को खुद इसका समाधान तलाशने के लिए छोड़ दिया है। इस बीच सरकार पर कई गंभीर आरोप लगे। वहां के शस्त्रागार से करीब चौबीस सौ स्वचालित हथियार और भारी मात्रा में कारतूस-गोला-बारूद लूट लिया गया। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझ कर वे हथियार लुटवाए। मगर इस पर सरकार की तरफ से कोई सफाई नहीं आई। अब कहा जा रहा है कि मणिपुर की वर्तमान स्थिति के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। विचित्र है कि जिस वक्त मणिपुर जल रहा है, उसे शांत करने के बजाय राजनीतिक रंग देकर अपनी जिम्मेदारियों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे तो यही जाहिर होता है कि सरकार वहां की जातीय हिंसा को रोकने को लेकर गंभीर नहीं है। मणिपुर में हिंसक घटनाओं की शुरूआत हुई तो वहां के उच्च न्यायालय के एक अव्यावहारिक निर्देश की वजह से, मगर इसके मूल में सरकार का पक्षपातपूर्ण रवैया शुरू से ही देखा जा रहा था। कुकी और नगा जनजातियों के लिए आरक्षित पहाड़ी इलाकों से सरकार ने खुद तथाकथित बाहरियों को निकालने का अभियान शुरू किया था। उससे यही संदेश गया कि सरकार आरक्षित क्षेत्रों में मैतेई लोगों की घुसपैठ कराना चाहती है। फिर अदालत के मैतेई लोगों को जनजातियों की सूची में शामिल करने पर विचार संबंधी निर्देश ने आग में घी का काम किया। ऐसे संवेदनशील मसले पर सरकार को भ्रम निवारण के व्यावहारिक उपाय करने चाहिए थे। केंद्र सरकार का भी रवैया इसे लेकर ढीलाढाला ही रहा है, वरना महज

परिदृश्य

फ्री बिजली...

दिल्ली में बिजली की दरों में बढ़ोतरी से फिर यही जाहिर हुआ है कि राजनीतिक पार्टियां लोगों को लुभाने के लिए आकर्षक वादे तो कर देती हैं, लेकिन जब उन्हें पूरा करने का वक्त आता है तब या तो टालमटोल करने लगती हैं या फिर उस पर अमल करने के एवज में जनता पर अन्य तरीकों से बोझ डाला जाता है। गौरतलब है कि दिल्ली में विद्युत नियामक आयोग की ओर से दाम बढ़ाने की मंजूरी मिलने के बाद अब अलग-अलग बिजली वितरण कंपनियों ने अतिरिक्त शुल्क वसूलने की कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत अब यमुना पावर लिमिटेड वर्तमान दरों से ऊपर 9.42 फीसद, राजधानी पावर लिमिटेड 6.39 फीसद और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की ओर से उपभोक्ताओं से दो फीसद अतिरिक्त शुल्क वसूला जा सकेगा। हालांकि दिल्ली सरकार की ओर से फिलहाल यही कहा गया है कि दरें बढ़ने से उपभोक्ता सीधे तौर पर प्रभावित नहीं होंगे और दो सौ यूनिट तक बिजली खपत के लिए मुफ्त योजना जारी रहेगी। लेकिन अगर इस दायरे से बाहर के उपभोक्ताओं के लिए ही ताजा बढ़ोतरी हुई है तो क्या इसका बोझ कुछ लोगों पर नहीं पड़ेगा? माना जा रहा है कि दिल्ली सरकार के इस फैसले के बाद बिजली की दरें दस फीसद तक महंगी हो जाएंगी। यही वजह है कि इस बढ़ोतरी को लेकर लोगों के बीच एक बड़ा तबका खुद को ठगा महसूस कर रहा है और विपक्षी दलों की ओर से भी सरकार के इस फैसले पर तीखे सवाल उठाए गए हैं। हालांकि दिल्ली सरकार ने इस मसले पर सफाई देते हुए बढ़ोतरी के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि कोयले के दाम में उतार-चढ़ाव के हिसाब से बिजली के दाम घटते-बढ़ते रहते हैं। मगर ऐसा शायद ही कभी देखा गया हो कि बाजार में कोयले के दाम में गिरावट के साथ सरकार ने बिजली के शुल्क में कोई कमी की हो। यह एक तरह से बाजार के रुख की तरह ही है। जबकि सरकार और बाजार के रवैए में इसलिए फर्क होना चाहिए कि सरकार जनकल्याण के सिद्धांतों पर जनता के हित में काम करती है। दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, तो उसमें यहां के निवासियों के लिए मुफ्त बिजली के आकर्षक वादे की बड़ी भूमिका थी। सरकार बनने के बाद एक खास स्तर तक की खपत के लिए बिजली बिल को माफ भी किया गया। लेकिन सवाल है कि अगर बिजली खपत करने में कोई खर्च है, तो उसकी भरपाई की व्यवस्था कैसे की जाती है! क्या उसके बदले किसी और मद में बढ़ोतरी करके घाटा पूरा किया जाता है? फिर शासन की ओर से सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार के वादे का क्या आधार बचता है? दरअसल, राजनीतिक दांवपेच में चुनावी बाजी जीतने के लिए अमूमन सभी पार्टियां लोगों को मुफ्त सुविधाएं मुहैया कराने का वादा करती हैं। ऐसे वादों के प्रचार-प्रसार के दौरान जनता को यह नहीं बताया जाता कि अगर कोई चीज मुफ्त में दी जाएगी तो लोगों को किसी अन्य शक्ल में उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।आम लोग भी कई बार अपने स्तर पर इस तरह की घोषणाओं का आकलन या विश्लेषण नहीं कर पाते। दिल्ली में अब भी दो सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जा रही है। लेकिन देश के कई हिस्सों में जिस तरह बिजली उपभोग के लिए स्मार्ट और पूर्व-भुगतान आधारित मीटर लगाए जा रहे हैं, उसमें आने वाले वक्त में यह देखने की बात होगी कि दिल्ली में भी बिजली की खपत और उसकी कीमतों का कैसा ढांचा रहेगा।

संगिनी मेन ने किया ''हर घर हेल्दी'' थीम पर कार्यक्रम

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी जैन सोशल ग्रुप मेन ने हर घर हेल्दी थीम पर कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान समिति सभागार में किया जिसमे 105 संगिनी सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम से पूर्व सभी बहनों ने चाय पकोड़े का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण व फेडरेशन सूत्र वाचन के साथ किया गया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की ओर भी जागरूक रहना चाहिए हम हेल्दी रहेंगे तो हमारा परिवार भी हेल्दी रहेगा। हमे कार्यक्रम में नवाचार लाने के लिए, संगिनी बहनों की प्रतिभा को निखारने, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने व उनको माइक पर बोलने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए ''मन की बात'' नामक कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया जाएगा। सेवा कार्य में सहयोग प्रदान करने वाली बहनों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने जून माह में जन्म दिवस वाली बहनों को बधाईयां व शुभकामनाएं प्रेषित की।

"निःशुल्क स्वास्थ्य एवं मधुमेह जांच व जागरूकता शिविर" का 9 जुलाई को होगा आयोजन

टीवी आर्टिस्ट मॉडरेटर वर्तिका जैन अपने टॉक शो में करेगी डा. सुनील ढंड के साथ डायबिटीज के बचाव पर विशेष चर्चा

सीकर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप सीकर एवं ढंड डायबटीज केयर जयपुर के संयुक्त तत्वावधान ''निःशुल्क स्वास्थ्य एवं मधुमेह जांच व जागरूकता शिविर'' का आयोजन स्थानीय बजाज रोड़ स्थित जैन भवन परिसर में दिनांक 9 जुलाई 2023 रविवार को किया जा रहा है । शिविर संयोजक सुनील पहाड़िया व जयंत पाटोदी ने बताया कि शिविर में एंडोक्रिनोलॉजिस्ट मधुमेह, थायराइड और मेटाबोलिक रोग से ग्रसित रोगियों को प्रसिद्ध चिकित्सक डा. सुनील ढंड अपना परामर्श देंगे। संयोजक पंकज दुधवा व विकास लुहाड़िया ने बताया कि शिविर सुबह 7:30 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित होगा व इसमें पूर्व में रजिस्ट्रेशन किया जाएगा । शिविर द्वारा समाज के समस्त सदस्यों को विशेष लाभ प्राप्त होगा। मीडिया व प्रचार प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि डायबिटीज से जुड़ी विभिन्न जानकारियों हेतु मॉडरेटर वर्तिका जैन (टीवी आर्टिस्ट) के साथ विशेष टॉक शो का भी आयोजन इस दिन प्रातः होगा , जिसमे डा. सुनील ढंड द्वारा डायबिटीज से बचाव हेतु उपाय बताएंगे । यह 'रोशनी' प्रोजेक्ट द्वारा डायबिटीज के अंधकार को दूर करने हेतु निरंतर चलाया जा रहा विशेष प्रयास है । डा. सुनील ढंड ने जैन सोश्यल ग्रुप के सदस्यों के साथ विशेष चर्चा में बताया कि डायबिटीज अर्थात मधुमेह का समय पर इलाज करवाना बेहद जरूरी होता है , मधुमेह को खतरनाक बीमारी माना जाता है। इससे बचने के लिए सही खानपान और समय पर खाना बेहद जरूरी है। साथ ही जीवनशैली भी सही होनी चाहिए। जब शरीर के पैन्क्रियाज में इन्सुलिन की कमी हो जाती है, मतलब कम मात्रा में इन्सुलिन पहुंचता है, तो खून में ग्लूकोज की मात्रा भी ज्यादा हो जाती है। इसी स्थिति को डायबिटीज कहते हैं। भारत में मधुमेह को लेकर सबसे बड़ी चुनौती जागरूकता की कमी है। दुनिया भर में 500 मिलियन लोग मधुमेह के रोगी हैं। भारत में छह में से एक व्यक्ति मधुमेह का रोगी है। एक शोध अनुसार भारत में 48% मधुमेह रोगियों को पता नहीं था कि उनमें मधुमेह के लक्षण हैं।

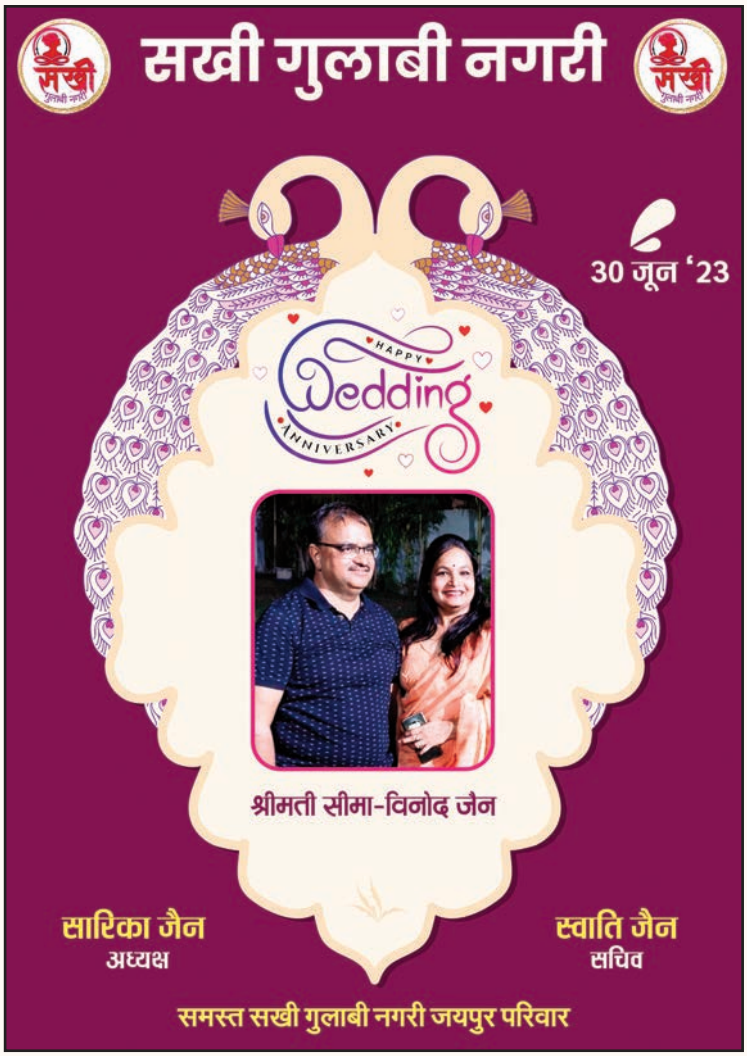

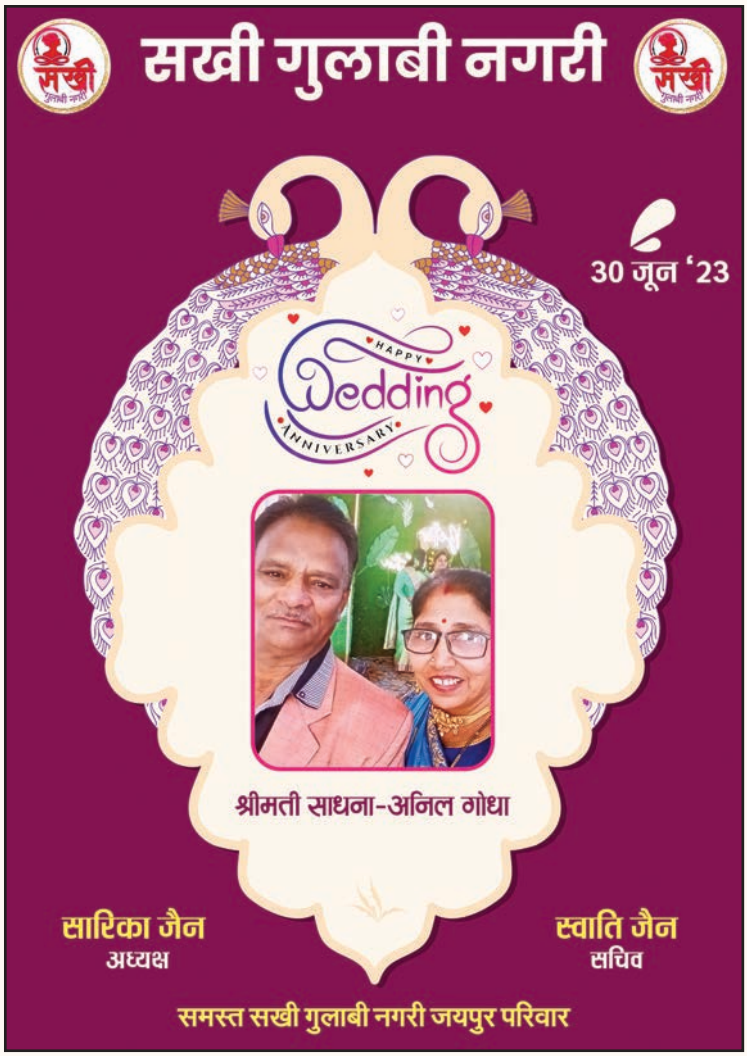

आचार्य सौरभ सागर महाराज का भव्य शोभायात्रा के साथ प्रताप नगर में हुआ मंगल प्रवेश

2 जुलाई को होगी कलश स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया

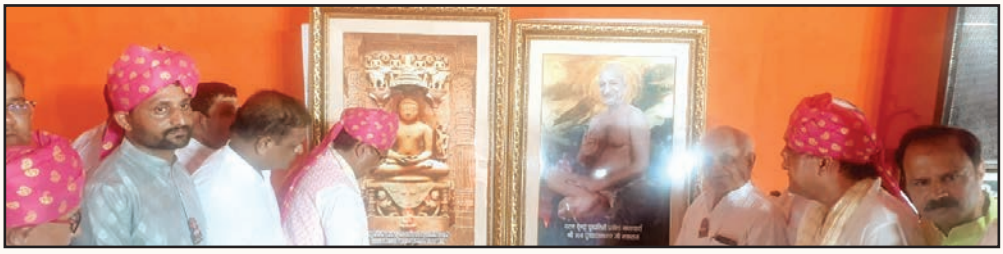

ज्ञानयोगी, संस्कार प्रणेता, जीवन आशा हॉस्पिटल के प्रेरणा स्त्रोत आचार्य सौरभ सागर महाराज का चातुर्मास को लेकर राजधानी जयपुर के प्रताप नगर स्थित सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य लवाजमों और जयकारों के साथ मंगल प्रवेश हुआ, आचार्य श्री की अगवानी में संपूर्ण प्रताप नगर ही नही बल्कि सांगानेर सहित जयपुर की विभिन्न कालोनियों से श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, जगह-जगह पाद प्रक्षालन और आरती कर जयकारों की दिव्य गूंज के साथ मंगल प्रवेश संपन्न करवाया, इसके उपरांत आचार्यश्री ने मुलनायक शांतिनाथ भगवान के दर्शन कर धर्मसभा को संबोधित किया और उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान किए। रविवार, 2 जुलाई को प्रताप नगर में आचार्य सौरभ सागर महाराज चातुर्मास मंगल कलश स्थापना करेगे, इस दौरान दिल्ली, यूपी, एमपी, हरियाणा सहित देशभर से श्रद्धालुगण सम्मिलित होगे। सभा को संबोधित करते हुए आचार्य सौरभ सागर महाराज ने अपने प्रवचनों में कहा की ₹ चातुर्मास का जैन धर्म में अति महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि इस दौरान जगह-जगह बरसात होने के कारण संत एक स्थान पर विराजमान रहकर जीव हत्या से बचते है और धर्म प्रभावना के लिए समाज से जुड़ते है। चातुर्मास का पर्व धर्म प्रभावना के लिए सबसे बड़ा पर्व होता है, इसमें ना केवल श्रावक, संत से जुड़ता है बल्कि संत भी श्रावकों से जुड़कर धर्म प्रभावना को जन-जन फैलाने का प्रयास करते है। चातुर्मास कमेटी के कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन और प्रचार मंत्री सुनील साखुनियां ने बताया की आचार्य श्री ने प्रातः 7.15 बजे सांगानेर स्थित चित्रकूट कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर से विहार कर प्रातः 7.45 बजे पिंजरापोल गौशाला पर मंगल प्रवेश किया, जहां श्योपुर रोड़, प्रताप नगर सेक्टर 3, 5, 8 और 17 कोलोनियो में स्थित जैन मंदिरों की कमेटियों, महिला मंडल, युवा मंडल, मुनि संघ व्यवस्था समितियों सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने गाजे-बाजे और 29 किलो पुष्पवर्षा के साथ आचार्य श्री की अगवानी की और यहां से भव्य शोभायात्रा के साथ आचार्यश्री को हल्दीघाटी मार्ग, भामाशाह मार्ग, अजय मार्ग होते हुए सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश करवाया। इस दौरान कांग्रेस नेता और पूर्व प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, रमेश जैन तिजारिया, चातुर्मास कमेटी गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, मनोज झांझरी, आलोक जैन तिजारिया, जितेंद्र गंगवाल, अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी वाले, मंत्री महेंद्र जैन पचाला वाले, मुख्य समन्वयक गजेंद्र जैन बड़जात्या, भाजपा पार्षद चेतन जैन निमोडिया, राजस्थान जैन सभा मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, मनोज सोगानी, बाबूलाल जैन इटुंदा, मनोज सेठी, नरेंद्र जैन छाबड़ा आदि सहित सभी मंदिर समितियों के अध्यक्ष, मंत्री आदि एवं जयपुर के भामाशाहों, समाजसेवियों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंगल प्रवेश के बाद धर्मसभा से पूर्व सभा का शुभारंभ चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन, पाद प्रक्षालन और शास्त्र भेंट कर किया गया।

नॉर्दर्न रीजन वर्कशॉप "गुरुकुल" ने किए नए आयाम स्थापित

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर स्कूल प्रांगण में जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन द्वारा आयोजित एक दिवसीय वर्कशॉप **'गुरुकुल'** का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को जेएसजी अर्हम के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में JSGIF प्रेसिडेंट अमीश - आरती दोषी, प्रेसिडेंट इलेक्ट बिरेन भाई शाह, वर्कशॉप चीफ कन्वेनर जयेश भाई शाह इंजी. राकेश जैन, पूर्व अध्यक्ष JSGIF, एवम संस्थापक नॉर्दर्न रीजन, महेंद्र गिरधारवाल, सचिव JSGIF, मनीष झांझरी, इंटरनेशनल डायरेक्टर नॉर्दर्न रीजन, श्रीमती श्वेता लुणावत रीजन संगिनी कन्वेनर , महेंद्र सिंघवी, चेयरमैन नॉर्दर्न रीजन, राजीव पाटन*, चेयरमैन इलेक्ट एवम सिद्धार्थ जैन, सचिव का नॉर्दर्न रीजन टीम के द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र गिरधरवाल ने किया। रीजन चेयरमैन महेंद्र सिंघवी ने फेडरेशन एवम रीजन से पधारे हुए सभी अतिथियों का एवम सभी पूर्व चेयरमैंस, सभी ग्रुप्स, संगिनी फोरम से पधारे हुए सभी पदाधिकारीगण एवम कार्यकारिणी सदस्यगणों का अपने उदबोधन के माध्यम से स्वागत किया एवम जेएसजी अर्हम की पूरी टीम को सहयोग प्रदान करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। तत्पशचात फेडरेशन प्रेसिडेंट अमीश भाई दोषी ने अपने स्वागत उद्बोधन में ₹गुरुकुल₹ से होने वाले ज्ञानवर्धन के बारे में जानकारी दी और वर्कशॉप का शुभारंभ करने हेतु जयेश भाई को मंच सौंप दिया। इस कार्यक्रम मे अन्य वक्ताओ ने भी जानकारी को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया । प्रथम सेशन के समापन से पूर्व फेडरेशन पदाधिकारियों और रीजन पदाधिकारियों की उपस्थिति में जेएसजी अर्हम के अध्यक्ष प्रेम सिंघवी एवम उनकी टीम के कर कमलों में चार्टर प्रदान किया गया। साथ ही **'वॉइस ऑफ जेएसजी'** के पोस्टर का विमोचन किया गया और इसके साथ ही नॉर्दन रीजन की रंगीन डायरेक्टरी अभिव्यक्ति का भी विमोचन फेडरेशन एवम रीजन

पदाधिकारियों के द्वारा किया गया ।वर्कशॉप के द्वितीय सेशन में जयेश भाई ने अगले वक्ता के रूप में रीजन के पूर्व चेयरमैन मनीष झांझरी, और संगिनी कन्वेनर श्रीमती श्वेता लुणावत को आमंत्रित किया जिहोने अपने अविष्मरणीय उदबोधन में ग्रुप्स और संगिनी फोरम के कार्यकलापों, प्रोग्राम मैनेजमेंट और हम ग्रुप और फोरम को कैसे सफलता पूर्वक चला सकते हैं उसके बारे में बताया। अंत में फेडरेशन प्रेसिडेंट अमीश भाई ने जानकारी दी कि अपने कार्यकाल के मात्र तीन महीनो में फेडरेशन के कार्यक्रमों, और समितियों के गठन में किस प्रकार परिवर्तन किया गया है, हम फेडरेशन से किस तरह जुड़ सकते हैं, और फेडरेशन की नई वेबसाइट में सभी सूचनाओं और जानकारियों का किस तरह समावेश किया गया है और वो हमारे लिए किस तरह उपयोगी सिद्ध हो सकेगी उसके किए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस तरह वर्कशॉप गुरुकुल का सफलता पूर्वक संचालन किया गया, जिसमे नॉर्दर्न रीजन के सभी ग्रुप्स और संगिनी एवम युवा फोरम के करीब 600 पदाधिकारी एवम कार्यकारिणी सदस्यो ने ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में सफल संचालन हेतु जे एस जी अर्हम की पूरी टीम एवम नॉर्दर्न रीजन की पूरी टीम को रीजन सेक्रेटरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया और सभी पधारे हुए अतिथियों और ग्रुप एवम संगिनी फोरम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

अथाई के स्वर काव्य संकलन की प्रथम प्रति राज्यपाल को भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र को समन्वय वाणी फाउण्डेशन जयपुर द्वारा प्रकाशित ''अथाई के स्वर'' काव्य संकलन की प्रथम प्रति राजभवन में कृति के संपादक डा.अखिल बंसल द्वारा भेंट की गई। आपके साथ भेंटकर्ताओं में संस्था अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मिलापचंद डण्डिया, अथाई समूह के समन्वयक सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के पूर्व अतिरिक्त निदेशक गोपाल शर्मा प्रभाकर तथा टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल भी थे। इस कृति में देश भर के 54 साहित्यकारों की उत्कृष्ट रचनाएं समाहित हैं।स्मरण रहे कि गत वर्ष अथाई काव्यकोश तथा उसके पूर्व अथाई काव्य प्रवाह भी इस संस्था द्वारा प्रकाशित हो चुकी हैं। समन्वय वाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित अथाई समन्वय समूह में देश भर के कलमकार जुड़े हुए हैं जो समय- समय पर आनलाइन व आफलाइन अपने कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं। ''अखिल सेतु'' के नाम से त्रैमासिक ई पत्रिका भी प्रसारित की जाती है।

देव दर्शन से पूर्व जन्म में संचित पाप समूह नष्ट हो जाता है : आर्यिका सुबोध मति

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आज श्री जी का अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा हुई कार्यक्रम में आर्यिका सुबोध मति माताजी ने अपने मंगलमय उद्बोधन में श्रावकों को देव दर्शन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य को हमेशा देव दर्शन कर नित्य कार्य करना चाहिए देव दर्शन से पूर्व जन्म में संचित पाप समूह नष्ट हो जाता है जन्म, जरा, मृत्यु रूपी रोग मिट जाते हैं, एवं स्वर्ग सुख तथा सहज मोक्ष सुख की भी उपलब्धि देव दर्शन से सहज हो जाती है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम में समाज सेवी सोहनलाल झंडा,केलास कलवाडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, महेंद्र बावड़ी, महावीर मोदी,पारस नला, माणक कासलीवाल,अनिल कठमाना, कमलेश झंडा, मितेश लदाना, नीतेश कासलीवाल फागी, सोभागमल पहाड़िया, प्रकाश चंद जैन बड़जात्या ,मैना देवी जैन पूर्व सरपंच , राजकुमार कासलीवाल, मोनू बडजात्या चौरु, कमल- मंजू पाटनी कालू निवासी सेलम प्रवासी, शिमला नला,अलका कासलीवाल तथा राजाबाबू गोधा फागी सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

उत्तराखंड में दक्ष अग्रवाल ने तैराकी में लहराया मेवाड़ का परचम

उदयपुर. शाबाश इंडिया

छठी नेशनल फिनस्वीमिंग चैंपियनशिप में मेवाड़पूत दक्ष अग्रवाल ने 3 स्वर्ण व 4 सिल्वर मैडल जीतकर मेवाड़ का नाम रोशन किया है।

हल्द्वानी डिस्ट्रिक्ट (उत्तराखंड) के इंदिरा गाँधी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में 24 से 26 जून के मध्य हुई नेशनल फिनस्वीमिंग चैंपियनशिप में दक्ष अग्रवाल ने 50 मीटर,100 मीटर एवं 200 मीटर मोनोफिन में स्वर्ण, 50 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर बाईफिन में रजत तथा 50 मीटर मिक्स रिले में रजत पदक यानि कुल 7 मैडल प्राप्त किए। गौरतलब है कि अंडरवाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन, भारत द्वारा हर साल अंडरवाटर स्विमिंग चैंपियनशिप आयोजित करता है। इसी राष्ट्रीय स्पर्धा में राजस्थान, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गोआ, दिल्ली, तेलंगाना सहित अन्य राज्य राज्यों के 500 से अधिक बाल तैराकों ने हिस्सा लिया। दक्ष के कोच दिलीपसिंह चौहान ने बताया कि उदयपुर सहित समूचे मेवाड़ के लिए यह गौरव की बात है कि हर साल की तरह इस साल भी दक्ष ने भारत में शुरू हुई इस नयी स्पर्धा में मेवाड़ और राजस्थान को अव्वल दर्जे पर खड़ा कर दिया। उसकी इस उपलब्धि पर शहरवासी उसके पिता शरद अग्रवाल और माता नीना सहित अन्य परिजनों और प्रशिक्षक को बधाई दे रहे हैं।

रिपोर्ट/ फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप'

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

याग मंडल विधान के पश्चात भगवान नवीन वेदी में विराजमान हुए

दान से श्रावक की शोभा बढ़ाती हैं : मुनि श्री निरापद सागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ त्रिकाल चौबीस जिनालय स्थिति विद्वान तीर्थंकर भगवान को नवीन का निर्माण कर याग मंडल विधान आचार्य श्री विद्यासागर महा मुनिराज एवं निर्याप श्रमण मुनिपुंगव श्रीसुधासागर महाराज के आशीर्वाद से मुनि श्री 108 निरापद सागर मुनिराज के सानिध्य व नमन भैया के निर्देशन में गुरुवार को दोपहर 1:00 बजे से वेदी शुद्धि मंडल शुद्धि के साथ, याग मंडल विधान कर भक्तों ने भगवान को उच्चासन पर विराजमान किया। इस दौरान जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, थूवोनजी अध्यक्ष अशोक टींगू मिल, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, संयोजक श्रेयांस घेला, मनीष सिघई, मनोज रन्नौद, ट्रस्टी अविनाश धुर्रा, मुकेश हार्डी, नवीन सर मन्टू धाया, धनकुमार वल्ला, चन्दू वासल सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किए ।

नवीन वेदी पर आज प्रभु विराज रहे हैं

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि सन उन्नीस सौ वानवय में परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में त्रिकाल चौबीस के साथ ही विद्यमान बीस तीर्थंकर भगवान को इस जिनालय में विराजमान किया गया था इस वेदी को नवीन रूप देकर आज मुनि श्री के सान्निध्य में हम सब भक्ति भाव से भगवान को उच्च आसन दे रहे हैं । इस दौरान महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि महाराज कुछ दिनों का आपका सन्निध्य अशोक नगर को मिले सिद्धचक्र महा मंडल विधान आपके सानिध्य में चलता रहे यही प्रार्थना है।

जीवन को सहज और सरल बनाएं: मुनि श्री निरापद सागर जी

इस अवसर पर मुनि श्री निरापद सागरजी महाराज ने कहा कि श्रावक की शोभा दान से है फसल प्राप्त करने के लिए सबसे पहले किसान भूमि को तैयार करता है इसके इसके बाद उचित समय पर बीज का वपन कर खाद पानी देकर फसल पैदा करता है थोड़ा सा बीज बोकर फसल प्राप्त कर लेते हैं ऐसे ही थोड़े से दान देने का परिणाम है कि आज आपके जीवन में सम्पन्ना दिख रही है आगे भी आपका जीवन उन्नत हो इसलिए आपको दान करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुख शांति समृद्धि पाने के लिए जीवन में सरलता और सहजता का होना अनिवार्य है सहज जीवन मन को सरल बना देता है और मन में शान्ति वनी रहतीं हैं जव आपके पास सुख और शांति होगी तो समृद्धि अपने आप आने लगेगी।

इनको मिला श्री जी विराजमान करने का सौभाग्य

विधान के उपरांत नमन भइया के मंत्रोच्चार के बीच समाज के मंत्री राकेश अमरोद, मन्दिर संयोजक श्रेयांस घेला, थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, ट्रस्टी नवीन सर, अजित वरोदिया, श्रीमति साधना साक्षी, गौरव जैन टिंगू मिल, सुनील वेलई, धनकुमार राजपुर, चन्दू वांसल, वल्लू इंडियन, राजकुमार, अमित , अविनाश, संजीव पारस, वाझल विनोद, सुरेश, योगेश, महावीर हर्षित खेम चन्द्र , चन्द्र, अनिल, ग्रामीण वैक सहित अन्य भक्तों ने श्री जी विराजमान करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

आदिनाथ जिनालय में महा आराधन के दौरान किए अर्घ समर्पित

गाव मन्दिर में चल रहे श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में भक्ति और उत्सव का एक अलग ही आनंद देखने को मिला जब श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान भक्तों द्वारा भगवान की संगति के साथ महा आराधना की जा रही है आज चौंसठ र्द्धि धारी महा मुनिराजो के चरणों में श्री फल के साथ अर्घ समर्पित किए गए इस दौरान पुरुष महिलाए वच्चे भगवान की भक्ति में झूम कर प्रभु की जय जयकार कर रहे थे संगीत की स्वर लहरियां और भक्तों की जय जय कार के वीच भक्तों ने मंडल पर श्री फल भेंट किए इस अवसर पर समाज के मंत्री राकेश अमरोद मन्दिरसंयोजक मनीष सिघई नरेश एडवोकेट अरविंद जैन कचंनार टिकंल जैन वल्लू भ इया मनीष वरखेडा मुकेश मूडरा सहित अन्य भक्त विशेष रूप से उपस्थित थे ।

उपाध्याय श्री विनिश्चल सागर जी मुनिराज ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश

नगरवासियों ने बरसते पानी मे की भव्य आगवानी, बकस्वाहा में होगा पावन वर्षायोग

राजेश रागी/रत्नेश जैन. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। यहां पर पावन वर्षायोग 2023 हेतु भारतगौरव,राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य उपाध्याय श्री 108 विनिश्चल सागर जी मुनि महाराज ससंघ का आज प्रातःकाल मंगल प्रवेश होते ही प्राकृतिक मंगलमय रिमझिम बारिश ने पादप्रक्षालन किया, वही नगरवासियों के विशाल जनसमुदाय ने दिव्यघोष ब्रास बैण्डबाजों की स्वरलहरियों पर मंगलगीत व गगनभेदी जयकारों के साथ जैन ध्वज फहराते हुये मंगल आगवानी श्रीफल अर्पित करते हुए की गई । इस वर्ष 2023 का मंगल वर्षायोग/चातुर्मास पूज्य उपाध्यायश्री ससंघ का श्री पार्श्वनाथ दिग.जैन मंदिर जी बकस्वाहा मे होने जा रहा है।

पूज्य उपाध्यायश्री ससंघ के मंगल प्रवेश व अगवानी में यहां की समाज व नगरवासियों ने नगर की सीमा शासकीय महाविद्यालय के पास पहुंचकर दिव्यघोष ब्रास बैंड की ध्वनि पर मंगलगीत गाते हुए मंगल आगवानी की , जहां से लेकर मंदिर जी तक के रास्ते में स्वागत द्वार लगाए गए और द्वार द्वार पाद प्रक्षालन आरती कर श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया । मंदिर जी मे आयोजित धर्मसभा मे मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों के साथ ही समाज के प्रमुख, महिला व बालिका तथा युवा संगठन व जैन युवा मंच तथा पाठशाला संचालकों ने पूज्य गुरुदेव को श्रीफल अर्पित कर वर्षायोग / चातुर्मास करने की प्रार्थना कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया ।

भव्य चातुर्मास मंगल स्थापना पदमपुरा में

रविवार 2 जुलाई 2023 दोपहर 3 बजे से

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर की प्रकृति की गोद में बसे अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा की पावन धरा पर परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज के पट्टाशिष्य सर्वांगभूषण आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी महाराज ससंघ का पावन वर्षायोग मनाने का हमें सुअवसर प्राप्त हुआ है जिसकी विधिवत चातुर्मास स्थापना रविवार 2 जुलाई 2023 को दोपहर 3 बजे से की जाएगी। सकल दिगम्बर जैन समाज के सभी धर्मावलम्बियों से निवेदन है कि आप सभी सपरिवार इष्ट मित्रों सहित इस पावन वर्षायोग स्थापना महोत्सव के बहुप्रतिक्षित दृश्य को अपने आँखों से देखने हेतु चातुर्मास स्थापना के साक्षी बन धर्म लाभ अर्जित करें।

रैगिग ! युवा पीढी को बर्वाद करने का निंदनीय कार्य

शाबाश इंडिया

उच्च शिक्षा प्राप्त करने पहुँचने बाले छात्र छात्राओं से परिचय के नाम रैगिंग कार्य लगभग 50 वर्ष से अधिक समय से जारी है। नवागत छात्र छात्राओं से कॉलेज से सीनियरों द्वारा जो अमानवीय व्यवहार किया जाता है। शारीरिक एवं मानवीय यातनायें दी जाती है वह अनेक घटनाएँ दिल दहला देने बाली होती है। आजादी के बाद भारत में पिछले 60 वर्षों में रेगिंग के तरीकों में कमी आने के विपरीत ये और अधिक क्रूर होते जा रहे है। परिचय और कॉलेज के वातावरण के अनुरूप नवागत को पारंगत करने के नाम से प्रारभ हुई रैगिंग पहले पिटाई और मोटी यंत्रणाओं तक ही सीमित दायरे में थी। मगर पिछले लगभग 30-35 वर्ष में इसका स्वरूप वहुत अधिक क्रूर और अमानवीय हो गया है। विगत वर्ष कर्नाटक के गुलबर्गा जिले के कॉलेज आंफ नर्गिस में अध्ययन हेतु केरल के कोझिकोड जिले की दलित छात्रा अस्वथी केपी के साथ रैगिंग के नाम जो कुछ हुआ वह दिल दहला देने बाली घटना है।

स्मरणीय है केरल की लड़कियां

अधिकांश नर्सिंग कोर्स की पढ़ाई करती है। छात्रा अस्वथी को उसकी 5 सीनियर्स ने फिनाइल जिससे टॉयलेट साफ किया जाता है उसे जबरन पीने मजबूर किया। लड़की एक बार तोजैसे तैसे बचकर निकल गई। दूसरी बार उसे इतना मजबूर किया कि फिनाइल पीना पड़ा। उक्त लड़की को केरल के कोझिकोड जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों का कहना था फिनाइल पीने से अस्वथी मात्र 19 वर्षीय दलित लड़की के आंतरिक अंग

विजय कुमार जैन
राघौगढ़ म. प्र.

जल गये थे। केमिकल्स से उसकी आहार नली गंभीर रूप से क्षति ग्रस्त हो गई है। साथ ही केमिकल्स ने उसके गले ओर पेट के बीच का हिस्सा जला दिया था। दलित लड़की को ठीक होने में लगभग 6 माह लगे। ऐसे मामलों में कहने को मरीज ठीक हो जाता है मगर उसके शरीर के अंग जीवन भर पूरी तरह काम नही कर पाते है। म. प्र. के उज्जैन निवासी पीड़ित दुखी पिता बताते है रैगिंग ने उनके इकलौते बेटे की जिन्दगी ही बर्वाद कर दी। उन्होंने अपने बेटे को लगभग 11 वर्ष पहले पूना के प्रसिद्ध मेनेजमेंट इन्स्टीट्यूट में एम बी ए में प्रवेश दिलाया था। मॉ एवं पिता दोनों खुशी खुशी बेटे को पूना छोड़ने गये थे। अचानक एक सप्ताह बाद ही बिना पूर्व सूचना दिये उनका बेटा वापस आया। बेटे ने बापस आकर बताया वह रैगिंग की वजह से मुझे कॉलेज एवं पूना छोड़ने मजबूर होना पड़ा। अब मर भी जाऊंगा मगर बापस उस कॉलेज में नही जाऊंगा। कॉलेजों में रैगिंग की सीमा निर्धारित नही है। सीनियर छात्र अपने नवागत साथी छात्रों का स्वागत तरह तरह से प्रताड़ित करते है। सीनियर्स का यह तर्क रहता है जब हमने प्रवेश लिया था तब हमे भी इसी स्थिति से गुजरना पड़ा था। हम भी रैगिंग के दौर से गुजरे हैं यह स्थिति जूनियर्स की करके उन्हे पक्का कर रहे है। रैगिंग के नाम पर सीनियर्स द्वारा जूनियर्स से मनमानी धनराशि की मांग करने उनको वह राशि देने में जूनियर्स को ज्यादा परेशानी नही होती है। मगर रैगिंग के नाम पर शारीरिक और मानसिक दुख उन्हे लम्बे समय तक परेशान करता है। रैगिंग के नाम पर अपने जूनियर भाइयों को प्रताड़ित कर के दुनियादारी सिखाना कहां तक उचित है। हमारे ही एक अभिन्न मित्र का बेटा चेन्नई में मेनेजमेंट कोर्स की पढ़ाई करने कॉलेज में भर्ती हुआ। वहाँ उसकी जमकर पिटाई हुई। लड़के ने घबराकर कॉलेज हास्टल छोड़ कर धर्म शाला की शरण ली। कुछ दिन बाद माता पिता को पता चला तो वे वहाँ पहुचे। बेटा मां बाप को गले लगातार फूट फूट कर रोने लगा। उसने कहा कॉलेज में वहुत पिटाई होती है वह वहाँ नही रहना चाहता है। कुछ महिने बाद बेटे की स्थिति सामान्य होने पर उसने बताया वह वहाँ कुछ दिन और रहता तो धर्मशाला में ही आत्महत्या कर लेता। रैगिंग के मामलों में लड़कों से ज्यादा ध्यान लड़कियों का रखने की आवश्यकता लड़कियों की है। रैगिंग से ज्यादा परेशान होने पर लड़के तो लॉज धर्म शाला या मित्र के यहाँ शरण ले लेते है। लड़कियाँ ऐसा नही कर पाती है। लड़कियों को यह विश्वास दिलाने की आवश्यकता है जो घटित हो उसकी पूरी जानकारी यथा समय अपनी मां को अवश्य दे। रैगिंग को रोकने ऐंटीरैगिग कानून दूसरे कानूनों की तरह कानून मात्र है। इस कानून में दोषियों को 2 वर्ष की सजा और 10 हजार रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है पर दोष रैगिंग साबित हो जाने के बाद। ऐंटीरैगिंग कानून के अस्तित्व में सबसे बड़ी बाधा यह है कि शिकायतें बहुत कम होती है । इसका मुख्य कारण यह है सीनियर छात्र अपने जूनियर छात्र को आतंकित रखता है। जूनियर छात्रों को अपने भविष्य की चिंता रहती है। हर कॉलेज में रैगिंग रोकने के लिये और शिकायतों पर कार्यवाही करने के लिये ऐंटीरैगिंग कमेटी बनाई जाती है। इस कमेटी में आमतौर पर कॉलेज के प्रोफेसर ही रहते हैं। जिनके लिये रैगिंग रोकना थोपा हुआ बोझिल काम लगता है। अगर रैगिंग के मामले में कार्यवाही करते है तो कॉलेज की छबि को आंच आयेगी। उनकी पहली कौशिश यह रहती है कि मामले को ऐन केन प्रकारण ठंडा किया जाये। मेरे गृह नगर राघौगढ़ में मेरे मित्र एक प्रोफेसर से मेरी चर्चा हुई उनका कहना है हम भी दूर से आकर यहॉ नौकरी कर रहे है हमारे साथ भी हमारा परिवार पत्नी बच्चे है। अगर आधी रात को किसी होस्टल में सीनियर अपने जूनियर की रैगिंग ले रहे है तो हम क्या कर सकते है। सीनियर छात्रों का इतना खौफ रहता है कि महाविद्यालय प्रशासन भी उनके विरूद्ध कार्यवाही करने से कतराता है। हालत यह है कि सरकार एवं कॉलेज प्रशासन की अनदेखी लापरवाही से देश में रैगिंग अनेक अमानवीय तरीकों से जोरशोर से बढ़ रही है। अगर रैगिंग के नाम पर छात्रों को फिनायल या टायलेट क्लीनर जबरन पिलाया जायेगा तो उनके शरीर के अंग काम नही करेंगे मजबूर होकर युवा पीढ़ी आत्म हत्या करेगी। युवा पीढी कैसे बचाया जाये यह आज का ज्वलंत प्रश्न है।

धर्म धर्मायतनों की रक्षा के लिए हमें एक होने की आवश्यकता है : मुनिश्री सुप्रभ सागर जी महाराज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

उज्जैन। आज हमारे धर्म और धर्म के आयतनों पर जो संकट के बादल हमें दिखाई दे रहे हैं उनको दूर करने के लिए हमें पंथवाद, संतवाद को छोड़कर एक होने की आवश्यकता है क्योंकि हमारे मंदिर मस्जिद, गुरूद्वारा मात्र किसी एक धर्म के किसी एक संप्रदाय की धरोहर नहीं है, अपितु इस संप्रदाय रहित स्वतंत्र भारत के प्रत्येक मंदिर आदि संपूर्ण राष्ट्र की धरोहर है और उसकी रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। हमारा देश धर्म निरपेक्ष देश है। नयापुरा का श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पर शासन, प्रशासन की कुदृष्टि डालते हुए विकास के नाम पर जो मंदिर को तोड़ने का नोटिस भेजा है वह शासन प्रशासन का छल कपट का ही नतीजा है। शासन, प्रशासन इस बात पर अवश्य ध्यान दे कि जैन समाज एक अहिंसक समाज है और प्रशासन यदि नोटिस

वापस नहीं लेता है तो ये अहिंसक समाज देश व्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगा। आप साथ है तो हम साथ है और यदि आप साथ नहीं है तो हमारे साथ दो नहीं, दो हजार नहीं अपितु लाखों हाथ, साथ है। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ऋषिनगर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने अपने विचार नयापुरा मंदिर बचाओ समिति के निवेदन पर व्यक्त किये। सकल जैन समाज की एक समिति का गठन नयापुरा दिगंबर जैन मंदिर बचाओ के लिए किया गया और समिति का मुनिश्री के सानिध्य में यह निर्णय हुआ कि 4 जुलाई को शांति मोर्चा के लिए मौन प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त जानकारी नयापुरा जिनालय के देवेंद्र पाटनी ने देते हुवे बताया कि ऋषिनगर जिनालय में चातुर्मास हेतु विराजित पूज्य मुनि सुप्रभ सागर जी महाराज ,प्रणत सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आज समाज जन की एक व्रहत बैठक आयोजित की गई जिसमें पूज्य गुरु भगवंत ने यह उपदेश दिया तथा शांति पूर्ण आंदोलन की रूपरेखा बनाई गई, बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

ऐतिहासिक वर्कशॉप का ऐतिहासिक समापन कार्यक्रम

पहल थियेटर एवं पर्सनेलिटी डवलपमेंट वर्कशॉप के समापन पर 200 बच्चों ने किया अपने टेलेंट का प्रदर्शन...

जयपुर

अरिहन्त नाट्य संस्था द्वारा प्रस्तुत ARL प्रेजेन्ट्स पहल थियेटर एवं पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप, प्रमोटेड बॉय RK मार्बल्स ग्रुप, का समापन कार्यक्रम दिनांक 29 व 30 जून को सायं 7.15 बजे महावीर स्कूल, सी-स्किम में हो रहा है। जिसमें लगभग 200 बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। जयपुर शहर में चर्चा का विषय बनी ARL प्रेजेंट्स पहल थियेटर एवं पर्सनल्टी डवलपमेन्ट वर्कशॉप समाज श्रेष्ठी नन्दकिशोर प्रमोद पहाड़िया(ARLGROUP) व समाज गौरव अशोक ,सुशीला पाटनी(R.K.MARBLE GROUP) के विशेष सहयोग से जयपुर शहर के 7 स्थानो,श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्र प्रभ जी दुर्गापुरा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर विवेक विहार, अनुप्रिया बुटीक महेश नगर, बिकन पब्लिक स्कूल मुरलीपुरा, आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मंगल विहार,धूप छाँव फाउन्डेशन पर लगभग 250 बच्चों के साथ शुरू हुई, जिसमे बच्चों ने खेल उमंग उत्साह जोश और जुनून के साथ अपना सर्वांगीण विकास किया। उसी कड़ी में 29 जून को महावीर स्कूल,सी स्किम में इस ऐतिहासिक कार्यशाला का दो दिवसीय समापन कार्यक्रम मुट्ठी में आकाश का आगाज़ हुआ।कार्यक्रम में सम्माननीय अथिति के रूप में समाज श्रेष्ठी शिखर चंद कासलीवाल यशकमल अजमेरा, ताराचंद पोल्याका,श्रीमती ललिता देवी ज्ञानचंद मीनू बाकलीवाल, उत्तम चंद पाटनी, राजीव जैन,श्रीमति रेणु राणा,श्रीमति किरण अशोक बगड़ा, ड़ॉ. एम. एल.जैन मणि एवम राजेन्द्र आशा शाह की गरिमामय उपस्थिति रही।पहले दिन 29 जून को लगभग 200 बच्चों ने 5 ड्रामा और 5 डांस परफॉर्मेंस की प्रस्तुति दी। सर्वप्रथम मंगल विहार के जयपुर टाइगर्स ग्रुप के बच्चों ने मंगलाचरण की शानदार प्रस्तुति दी जिसका निर्देशन अल्का श्रीवास्तव ने किया। उसके बाद विजय कुमार और सुदर्शनी माथुर के निर्देशन में दुर्गापुरा के मस्ती की झील ग्रुप ने एक नाटक ₹सोचो कभी ऐसा हो तो क्या हो₹ प्रस्तुत किया। उसके बाद विशाल कटारिया के निर्देशन में विवेक विहार के आशा ग्रुप ने डांस, कमलेश के निर्देशन में थड़ी मार्केट मानसरोवर के रॉकिंग ड्रामेबाज ग्रुप ने नाटक हम भी खेलेंगे, उड़ान ग्रुप महेश नगर के बच्चों ने डांस (निर्देशन विशाल कटारिया) दुर्गा पुरा के रंग भरे सितारे ग्रुप ने नाटक 'दिल की कौन सुने' (निर्देशन विजय कुमार, सुदर्शनी माथुर) द सर्कल ग्रुप, मुरलीपुरा के बच्चों ने डांस (निर्देशन विशाल कटारिया) मंगल विहार के जयपुर टाइगर्स के बच्चों ने नाटक डोंट जज लाइक दैट (निर्देशन चित्रांश माथुर, तपन भट्ट) वैशाली नगर ने सुपर राइजिंग किड्स के बच्चों ने डांस और थड़ी मार्केट, मानसरोवर के द रॉकिंग ड्रामेबाज ग्रुप के बच्चों ने नाटक 'इंसान बनिये' (निर्देशन तपन भट्ट, कमलेश) प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीता जैन एवं डॉक्टर वंदना जैन ने किया। 29 जून की शाम 7 बजे बच्चों द्वारा पूरे महीने सीखे गए पेंटिंग, क्राफ्ट, आर्ट और मास्क मेकिंग से संबंधित जो भी क्रिएशन बच्चों द्वारा किया गया है उनकी एक दिवसीय विशाल एक्जीबिशन भी महावीर स्कूल के प्रांगण में लगाई गयी। जिसमें बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स, क्राफ्ट, आर्ट और मास्क मेकिंग के लगभग 400 क्रोएशन का प्रदर्शन किया गया। ये आर्ट और क्राफ्ट एवम ड्राइंग पेंटिंग बच्चों ने स्मृति अग्रवाल, सत्यजीत बॉस, सुमन और रेखा के निर्देशन में सीखे।अंत मे सम्पूर्ण वर्कशॉप के निर्देशक अजय जैन मोहन बाड़ी और तपन भट्ट। ने पूरी वर्कशॉप के बारे जानकारी दी और आगंतुक दर्शकों का आभार व्यक्त किया।